

## जवाहरलाल नेहरु उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र

जक्कूरु डाक, बेंगलूरु 64

(मान्यता प्राप्तेय विश्वविद्यालय)

# ज ने के समाचार

### अध्यक्ष की टिप्पणी

प्रिय सहयोगियो,

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि हाल ही में, विले-वीसीएच (अंगवांड्टे समूह) द्वारा किये गये सर्वेक्षण के अनुसार प्रो सी एन आर राव को वर्ष 2016 के लिये रासायनिकी में नोबल पुरस्कार के लिये अत्यंत संभाव्य विज्ञानी के रूप में मत (अभिप्राय) दिया गया है। ज ने उ वै अ के की ओर से तथा मेरी अपनी ओर से हाल ही में भूपाल में संपन्न भारतीय विज्ञान अकादमी की वार्षिक बैठक के समय पर प्रो सी एन आर राव के 'विज्ञान में जीवन' शीर्षकवाली उनकी 51 वीं पुस्तक के विमोचन के संदर्भ में हम प्रो सी एन आर राव को बधाई देना चाहते हैं। विज्ञान की लोकप्रियता की ओर अपनी चेष्टा को जारी रखते हुए प्रो सी एन आर राव ने हाल ही में ज ने उ वै अ के के सी एन आर राव हॉल ऑफ साइन्स के कार्यकलापों के हेतु रु 30 लाख का योगदान दिया है।

इस अवधि के दौरान, हमारे अनेक संकायों ने प्रतिष्ठित पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त किये हैं। उन सबको बधाइयाँ देते हैं तथा उन्हें और अधिक सफलता की कामना करते हैं। उस अनुप्राणित दल-डॉ सेबास्टियन सी पीटर, प्रो उमेश वी वाघ्मारे तथा श्री रक्षित राघवन को हमारी बधाइयाँ, जिन्होंने \$ 20m ग्रीन प्राइज (हरित पुरस्कार) के उपांत (सेमी-फ़ाइनल) में प्रवेश किया है। भा वि सं तथा ज ने उ वै अ के के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा रिपोर्टित आविष्कार "बेक्टेरिया पॉवर्ड माइक्रो हीट इंजिन (जीवाणु समर्थित सूक्ष्म उष्ण यंत्र)" - एक और विशिष्टता रही है। दो संकाय सदस्यों ने ज ने के में हाल ही में प्रवेश लिया है। डॉ दिवाकर एस वेंकटेशन ने EMU में मई 2016 के दौरान प्रवेश लिया है तथा डॉ प्रेमकुमार सेंगुतुवन ने ICMS तथा NCU के साथ संयुक्त रूप से संकाय सदस्य के रूप में प्रवेश लिया है (ज्वाइन किया है)। हम उनका स्वागत करते हैं तथा उन्हें सफलता की कामना करते हैं।

श्रीमती रेणुका चौधुरी की अध्यक्षता में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं वन की संसदीय स्थायी समिति के प्रतिनिधि मंडल ने दि 29-31 अगस्त 2016 को ज ने उ वै अ के का दौरा किया तथा संकायों एवं स्टाफ के साथ अंतर्क्रियाएँ कीं। उन्होंने उन छात्रों/अनुसंधान स्कॉलरों के साथ अंतर्क्रियाएँ कीं जिन्होंने ज ने के के अनुसंधान कार्यकलापों पर भित्तिचित्रों का प्रदर्शन किया। कुछ प्रयोगालयों तथा सुविधाओं का दौरा करने के बाद, उस प्रतिनिधि-मंडल ने अनुसंधान-कार्यकलापों तथा केंद्र के विस्तृत विज्ञान अधिगम कार्यक्रमों की महत्तर प्रशंसा की।

केंद्र का पंजीकरण, वर्ष 2016 से लेकर तीन वर्षों की अवधि के लिये स्वास्थ्य एवं परिवार-कल्याण मंत्रालय के अधीन नलिका कोशिका अनुसंधान एवं चिकित्सा की राष्ट्रीय अग्र (शीर्ष) समिति के साथ किया गया है-जो नलिका कोशिका अनुसंधान हेतु सरकारी अभिकरणों के साथ हमारे सहयोग को समर्थ बना देता है।

अंततः यह सूचित करते हुए मुझे प्रसन्नता होती है कि ज ने उ वै अ के ने उच्चतर वैश्विक श्रेणी प्राप्त कर ली है जो हमारे संकाय-सदस्यों एवं छात्रों के निरंतर प्रयासों के कारण संभव हो सका है।

प्रो वी नागराज  
अध्यक्ष, ज ने उ वै अ के



(श्रीमती रेणुका चौधुरी, अध्यक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं वन की संसदीय स्थायी समिति, ज ने उ वै अ के के समुदाय को नेविल मॉट हॉल ICMS में दि 29 अगस्त 2016 को संबोधित करते हुए)

### इस अंक में -

- समाचार में ज ने के --2
- शैक्षिक, अधिसदस्यताएँ तथा विज्ञान अधिगम --3
- बौद्धिक संपत्ति --4
- नियुक्तियाँ तथा पुरस्कार --5
- व्याख्यान एवं बैठकें --6
- विगत एवं आगामी घटनाएँ --8



# जने के समाचार

## समाचार में जने के

### प्रो सी एन आर राव - रासायनिकी नोबल पुरस्कार-2016 के लिये उच्चतम श्रेणी से संभाव्य विज्ञानी।

विले-वीसीएच (अंगवांड्टे) समूह द्वारा प्रकाशित रासायनिकी दृष्टिकोण में यह घोषित किया गया है कि उनके द्वारा किये गये सर्वेक्षण से यह पाया गया है कि प्रो सी एन आर राव ने रासायनिकी में नोबल पुरस्कार 2016 के चयन हेतु अत्यधिक मत प्राप्त किया है।

### बेंगलूरु विज्ञानियों ने \$ 20m हरित पुरस्कार के उपांत में प्रवेश किया है

अब आराम से साँस ले क्यों कि कोयले के इंधन के विद्युत संयंत्र से प्राप्त त्याज्य वस्तु को उपयोगी मेथानॉल के रूप में परिवर्तित करने की योजनाओं में NRG (कोसिया) Cosia Carbon XPRIZE में भारतीय-दल प्रतिभागिता कर रहा है। कुल मिलाकर, दुनिया भर के 27 (सत्ताईस) दलों की चयनित सूची बना ली गई है। इस दल का नेतृत्व जने उ वै अ के के डॉ सेबास्टियन पीटर कर रहे हैं। अन्य दो सदस्य हैं - प्रो उमेश वाघ्मारे, जो जने उ वै अ के से ही हैं तथा रक्षित राघवन बेलूर, 30, जो एअर बस ग्रुप इंडिया के एक अभियंता रहे हैं।

स्रोत: द टाइम्स ऑफ़ इंडिया (बेंगलूरु), 24 अक्टूबर 2016

<http://carbon.xprize.org/press-release/27-teams-advancing-20m-nrg-cosia-carbon-xprize>

### जीवाणु समर्थित सूक्ष्म उष्ण यंत्र

हाल ही के एक अनुसंधान रहस्योद्घाटन में बेंगलूरु के भा वि सं तथा जने उ वै अ के के विज्ञानियों के एक दल ने यह सुझाव दिया है कि एक ऐसा संभाव्य (विभव) भौतिकीय तंत्र है जो आण्विक तंत्रों के प्रकार्य के बारे में हमारे ज्ञान (हमारी समझ) में वृद्धि कर देता है। अत्यंत सावधानी पूर्वक एवं उच्च विशुद्ध (निखरता)/प्रयोगों की श्रेणियों (श्रृंखलाओं) में बेंगलूरु के दल ने यह अध्ययन किया है कि अनुकूलतम रूप से विपाशित (फॉसे) कलिलीय कण, जो गतिशील जीवाणु के रसा (सूप) में मानव-केश के केवल 1/50 मोटाई की गतिकी किस प्रकार कार्य करती है। इस

जीवाणुवीय गतिशीलता को, तापमान में अत्यल्प परिवर्तन के द्वारा ऑन एंड ऑफ़ (प्रारंभ/बंद) किया जा सकता है। चूँकि भारी इंजनों के प्रति विरोध रहा है, अतः सूक्ष्म तथा नानो-मीटर-आकार के इंजनों के प्रति, उनके पर्यावरण में उच्चावचन के कारण क्षुब्धता रही है। इस प्रकार, जलाशयों का तापमान, लगभग स्थिर होने पर भी, जीवाणुवीय ऑन एंड ऑफ़ की अवस्थाओं में कलिलीय कणों के उच्चावचनों की प्रकृति में परिवर्तनों ने इन अनुसंधानकर्ताओं को कलिलीय मणिका (बीड) द्वारा किये गये कार्य का आकलन करने दिया है। प्रमुखता से, इस (अल्प) अति छोटे कृत्रिम इंजिन ने अपनी क्षमता में सांप्रदायिक इंजनों से भी उत्तम रीति से निष्पादन (कार्य) किया है। इन परिणामों को नेचर फ्रिजिक्स जर्नल में रिपोर्टित किया गया है।

(DOI: 10.1038/nphys3870)

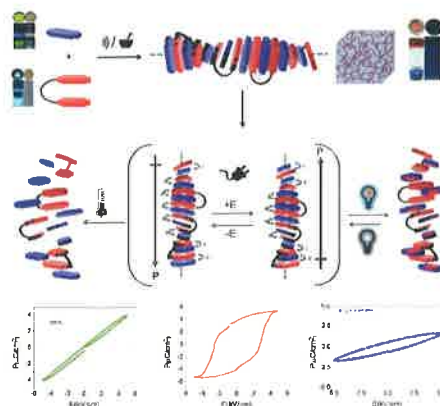
<http://www.nature.com/nphys/journal/vao/pncurrent/full/nphys3870.html>

### औषधीय रासायनिकी पत्रिका में वर्ष 2014 के लिये विशेष रूप से उल्लेखित लेख

जैसा कि औषधीय रासायनिकी पत्रिका में वर्ष 2014 के लिये विशेष रूप से उल्लेखित लेख, उसी के अनुसार, अमेरिकी रासायनिकी सोसाइटी ने जयंत हल्दर तथा अन्यो के लेख को मान्यता दी है। लेख का शीर्षक है- 'अल्प आण्विक प्रतिजीवाणुवीय (पाचक) पेप्टाइड अनुकरण: सरलतर उत्तमतर' -57 (4), pp1428-143

<http://dx.doi.org/10.1021/jm401680a>

### लौह विद्युतीय बहु-उद्दीपक-प्रतिक्रियात्मक जलोजेल



लौह-विद्युत (FE) ने विरलता से बाह्य विद्युत क्षेत्र द्वारा तक्षण विद्युतीय द्विध्रुवी स्वचिंचंग के चमत्कार (परिघटना) का वीक्षण किया है। लौह-विद्युत (FE) के गुणधर्म को पदार्थों से जैविकी तक विशाल श्रेणी के अन्वयन प्राप्त हैं। डॉ टी गोविंदराजु तथा उनके अनुसंधान दल ने यह पाया है कि अजैविक के भिन्नरूप से जैविक FE ने उपयोगिता को भारी मात्रा के अन्वयनों के प्रति विस्तृत कर लिया है, जिसमें सम्मिलित हैं- सुनम्य (आकुंचनीय) तथा मुद्रनीय विद्युन्मानीय साधन। परंतु, एकल स्फटिकीय निम्न तापमान (<71K) FE गुणधर्म उनके प्रायोगिक अन्वयनों के लिये बाधा डालता है। यहाँ पर दल ने जलजनक बंधक तथा आवेश स्थानांतरण अंतर्क्रियाओं के बीच में सहक्रिया के द्वारा अधिआण्विक (चिराल) अप्रतिबिंब TIS-CT जलोजेलों का अभिकल्प किया है। यह क्रमागत द्विध्रुवों के प्रबल फ़िल्म FE के प्रति समाधान प्रदर्शित करता है। इसके अतिरिक्त, बहु-बाह्य उद्दीपक (प्रकाशीय, यांत्रिकीय, ऊष्मीय तथा विद्युतीय) के साथ इसकी अंतर्क्रियाओं की लयात्मकता (नादात्मकता) ने सर्वप्रथम रूप से रिपोर्टित कक्ष-तापमान बहु-अवस्था पतली फ़िल्म-स्मरण साधनों का प्रदर्शन करने दिया है।

<http://d4sci.com/ferroelectric-multi-stimuli-responsive-charge-transfer-hydrogel/>

### विज्ञान के भू-चित्र (एटलस) में अनुसंधान-कार्य

डॉ तपस के माजी के हाल ही के एक अनुसंधान को विज्ञान के भूचित्र में विशिष्टता के साथ दर्शाया गया है (<http://atlasofscience.org> or <http://atlasofscience.org/sample-page/>)। अनुसंधान लेख: चक्रवर्ती ए, भट्टाचार्य एस, हज़र ए, घोष ए सी, माजी टी के, सूक्ष्म उत्प्रेरक क्रियाकलापों के लिये ऋणायनी MOF में पक्ष संश्लेषित धातु-रण तथा जलीय विलयन से भारी धातु आयनों का निष्कासन। केमिकल कम्युनिकेशन, 52, 2831 (2016)।

### वैश्विक श्रेणीकरण में जने उ वै अ के का उन्नयन

श्रेणीकरण (रैंकिंग) का प्रकाशन उस नेचर पब्लिशिंग ग्रुप (प्रकृति प्रकाशन समूह) द्वारा किया गया है जो अनेक प्रतिष्ठित शैक्षिक पत्रिकाओं का प्रकाशन करता



# शैक्षिक, अधि सदस्यताएँ तथा विज्ञान अधिक्रम

है। उसमें यह भी दर्शाया गया है कि सर्वोपरि विज्ञान के उत्पादों के संदर्भ में भारत को 13 वाँ स्थान प्राप्त है जहाँ कि (यूनाइटेड स्टेट्स) अमरिका सूची में सर्वोच्च स्थान पर है।

गुरुवार को जारी (प्रकाशित) श्रेणी में ज ने उ वै अ कें की श्रेणी अर्थपूर्ण रूप से उन्नत स्थान पर है।

<http://www.deccanherald.com/content/542192/iisc-slips-global-research-rankings.html>

## शैक्षिक कार्यकलाप

### उपाधि कार्यक्रम

वर्ष 2016-17 के अगस्त प्रवेशों के दौरान केंद्र पर 53 (तिरपन) छात्रों ने प्रवेश लिया तथा जनवरी 2015-16 के मध्यवर्षीय प्रवेशों में विभिन्न उपाधि कार्यक्रमों में 8 छात्रों ने ज ने उ वै अ कें में प्रवेश लिया। छात्रों की संख्या के लिये एक अभिमुखी कार्यक्रम का आयोजन किया। नये छात्रों का स्वागत केंद्र पर, अध्यक्ष, संकायाध्यक्ष, संकाय सदस्यों तथा वरिष्ठ छात्रों द्वारा किया गया तथा अनुसंधान नैतिकता, संगणना-उपयोगिता तथा नैतिकता, सुरक्षा-उपाय, कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा संबंधी मार्गदर्शक सिद्धांत तथा ज ने उ वै अ कें पर पाठ्येतर कार्यक्रमों के अवसर आदि विषयों पर अल्प-प्रस्तुतीकरण किये गये। इसके उपरांत दो घंटोवाली दीर्घ अंतर्क्रियात्मक कार्यशाला हुई जिसका संचालन, एक ऐसे आमंत्रित परापरीक्षा द्वारा किया गया जिसके पास युवा-छात्रों के साथ कार्य करने, जैसे, शैक्षिक व्यावसायिक जीवन में अनिवार्य (अपरिहार्य) लगनेवाले तनाव का सामना किया जाए-आदि का विशेषज्ञता थी।

वर्ष 2016-17 के जनवरी सत्र के लिये M.S. (अभि./अनु.) तथा Ph.D कार्यक्रमों के लिये आवेदन आमंत्रित करते हुए एक अधिसूचना, ज ने कें के वेबसाइट पर जारी की गई है।

## अधिसदस्यताएँ तथा विस्तरण कार्यक्रम

### छात्र-मैत्री कार्यक्रम

विगत वर्ष प्रारंभ किये गये कार्यक्रम की प्रथम श्रेणी के दौरान, जवाहर नवोदय विद्यालय तथा केंद्रीय विद्यालय

के 76 विद्यार्थियों ने लाभ उठाया है। अपने द्वितीय वर्ष के कार्यक्रम मं केंद्र ने दि 09 सितंबर 2016 को शिमोगा के जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा XI के 25 विद्यार्थियों को आमंत्रित किया। दि 29 सितंबर 2016 को अपने द्वितीय कार्यक्रम के लिये केंद्रीय विद्यालय, रेल पहिया कारखाना, यलहंका के 26 विद्यार्थियों ने अति उत्साह के साथ भाग लिया तथा इस कार्यक्रम के अति प्रशंसा विद्यार्थियों तथा उनके शिक्षकों द्वारा की गई। दो और कार्यक्रम नवंबर तथा दिसंबर 2016 में नियोजित हैं।

### आगंतुक अधिसदस्यता कार्यक्रम

विभिन्न श्रेणियों के अधीन आगंतुक अधिसदस्यता कार्यक्रम 2016-17 के लिये केंद्र ने 17 आवेदन प्राप्त किये। देश भर के 15 वैज्ञानिकों का चयन किया गया तथा उन्हें केंद्र के संकायों तथा मानद संकायों के आतिथ्य में नियोजित किया जाएगा।

### ग्रीष्म अनुसंधान अधिसदस्यता कार्यक्रम (SRFP)

ग्रीष्म अनुसंधान अधिसदस्यता कार्यक्रम 2016 के अधीन 60 विद्यार्थियों ने बेंगलूर तथा देश के अन्य स्थानों पर स्थित अनुसंधान संस्थानों में भौतिकी, रासायनिकी, जैविकी या अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों में छात्रवृत्ति प्राप्त की तथा अनुसंधान-प्रशिक्षण प्राप्त किया।

ग्रीष्म अनुसंधान अधिसदस्यता कार्यक्रम 2017 के लिये आवेदन आमंत्रित करते हुए एक अधिसूचना, ज ने उ वै अ कें के वेबसाइट (जालस्थल) पर लगाई गई है तथा उसकी प्रति, आवेदन-पत्रों के साथ देशभर के लगभग 150 कॉलेजों के प्राचार्यों को ई-मेल द्वारा प्रेषित की गई है।

### ग्रीष्म अनुसंधान अधिसदस्यता कार्यक्रम 2016 (POCE)

ग्रीष्म अनुसंधान अधिसदस्यता कार्यक्रम 2016 के अधीन, 9 राज्यों के 11 विद्यार्थियों को चुन लिया गया है। POCE- 2014-16 बैच के 8 विद्यार्थियों को रासायनिकी में डिप्लोमा प्रदान किया गया है। 8 विद्यार्थियों में से एक विद्यार्थी को जर्मनी में मास्टर्स कार्यक्रम के लिये प्रवेश दिया गया है। एक ने भा प्रौ सं (IIT) गवहाटी में प्रवेश लिया है तो अन्यो ने अपने-

अपने उच्चतर अध्ययन हेतु राज्य के विश्व विद्यालयों में प्रवेश लिया है।

सी एन आर राव हॉल ऑफ साइन्स तथा ETU-SOP, ज ने उ वै अ कें ने विविध 'कॉलेजों के स्नातक पूर्व विज्ञान के विद्यार्थियों के लिये कॉलेज केमिस्ट्री किट का उपयोग द्वारा प्रयोग' नामक विषय पर तीन कार्यशालाओं (प्रत्येक दो दिवसीय) का संचालन किया।

वर्ष 2013-14 POCE बैच के एक छात्र डॉ कनिष्क बिस्वास द्वारा प्रकाशित लेख का सह-लेखक रहा है तथा POCE - 2014-16 बैचवाला एक और छात्र डॉ सेबास्टियन पीटर द्वारा प्रकाशित लेख का सह-लेखक रहा है।

### परियोजना अभिमुखी जैविकी शिक्षा (POBE)

परियोजना अभिमुखी जैविकी शिक्षा 2016 के लिये 313 आवेदन प्राप्त किये गये हैं। देश के विभिन्न भागों से 10 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। POBE के वर्ष 2016 के बैच की कक्षाएँ 01 जून 2016 से प्रारंभ हो गईं। द्वितीय तथा तृतीय बैचवाले अपनी परियोजना कालावधि को पूरा करने हेतु आ गये POBE 2014 के 8 विद्यार्थियों ने अपने तीन वर्षीय POBE कालावधि को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत जैविकी में डिप्लोमा प्राप्त किया है।

### JNCASR-CICS (अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान-सहकारिता केंद्र) अधिसदस्यता कार्यक्रम

इस अधिसदस्यता कार्यक्रम का लक्ष्य विकासशील देश के वैज्ञानिकों की चलनशीलता (आवागमन) को प्रोत्साहित करने तथा विकासशील क्षेत्रों के बीच में सहकारिता का उन्नयन करने का रहा है। वर्ष 2009-10 के लिये दो अधिसदस्यों का चयन किया गया तथा उन्हें भारत में अपने तीन महीनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लेने पर प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। 4 अधिसदस्यों को वर्ष 2010-11 के लिये प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। 2 वैज्ञानिकों का चयन उज्जबेकिस्थान तथा नाइजरिया से वर्ष 2015-16 की अधिसदस्यता के लिये किया गया तथा उन्होंने अपनी कालावधि को क्रमशः ज ने उ वै अ कें तथा हिमालयी



जैव-संसाधन प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर में पूरा किया।

## विज्ञान अधिगम तथा शिक्षा प्रौद्योगिकी

विद्यालयों तथा महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लक्ष्य से शैक्षिक एवं प्रौद्योगिकी एकक द्वारा अनेक कार्यक्रमों का आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य-इन विद्यालयों तथा महा-विद्यालयों के शिक्षकों के प्रति विज्ञान शिक्षा प्रदान करने का रहा। इन कार्यक्रमों में सम्मिलित थे - दि 11-13 मई 2016 को हिमालय ग्रामविकास समिति, उत्तरखण्ड द्वारा आयोजित विज्ञान अधिगम कार्यक्रम।

इस कार्यक्रम में प्रो सी एन आर राव ने गंगोलीहाट में 'रासायनिकी समारोह' शीर्षक पर तथा नैनिताल में 'क्या भारत विज्ञान-शिक्षा में वैश्विक नेता बन सकता है' - शीर्षक पर व्याख्यान दिये। इस कार्यक्रम में ज ने उ वै अ के के संकाय सदस्यों ने भी व्याख्यान दिये। 6-7 जनवरी 2016 को POCE के विद्यार्थियों के लिये CD-रॉम - 'नानो- वर्ल्ड' का बहुमाध्यमीय प्रस्तुतीकरण किया गया तथा CD -रॉम - 'रासायनिकी का संक्षिप्त इतिहास' पर प्रो राव द्वारा किया गया। दि 14 जून 2016 को ज ने उ वै अ के के अ प वि के (ICMS) में प्रो सी एन आर राव शिक्षा प्रतिष्ठान के सहयोग में प्रो के एस नारायण (ज ने उ वै अ के के) तथा डॉ के विजयमोहनन पिल्लै (CSIR के, कारैकुडी) को 'ऊर्जा-पदार्थ तथा साधन' में (AVRA प्रयोगालय, हैदराबाद द्वारा दत्त) राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये गये। प्रो सर रिचर्ड फ्रेड ने पुरस्कार प्रदान किया तथा पुरस्कार प्राप्तों का सम्मान किया। प्रो वी नागराज ने समारोह की अध्यक्षता की। ETU द्वारा संचालित अन्य कार्यक्रम ये रहे हैं:

- दि 30 जून 2016 को आयोजित शिक्षक-विद्यार्थी कार्यशाला में सी एन आर शिक्षा प्रतिष्ठान द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में, श्री पुरंदरनारायण भट के तथा श्री संजयकुमार श्रीवास्तव को उत्कृष्ट विज्ञान शिक्षक पुरस्कार प्रदान किये गये।
- दि 4 जुलाई 2016 को 2015-16 के लिये नियत शिक्षक/विद्यार्थी कार्यक्रम पर निर्णय करने हेतु स्रोत-व्यक्तियों की बैठक का आयोजन किया गया।
- दि 22 जुलाई 2016 को मदन मोहन मालवीय रंगमंदिर-ज ने उ वै अ के के पर 190 विद्यार्थियों तथा

शिक्षकों के लिये 'विद्यार्थियों के लिये भौतिकी' नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

- दि 23 अगस्त 2016 को 'विद्यार्थियों के लिये रासायनिकी' के कार्यक्रम में 210 विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने भाग लिया।
- 01, 14 तथा 15, 19 तथा 20 सितंबर 2016 के दौरान SOP-POCE प्रयोगालय ने महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये 'कॉलेज केमिस्ट्री किट' का उपयोग करके एक कार्यशाला का आयोजन किया। दि 1 सितंबर को श्रीमती इंदुमती राव ने 'मैकल फ़ैरडे' पर विद्यार्थियों के लिये व्याख्यान दिया।

ETU ने प्रो सी एन आर राव के सहयोग में पेंग्विन द्वारा प्रकाशित की जानेवाली मुद्रण-योग्य प्रति का अभिकल्प, प्रतिरूपण (रचना) तथा संपादन किया।

## बौद्धिक संपत्ति

क्लेवरजीन बाँयो-कार्प प्रा लि के साथ, हिसेक 2500, मिसेक तथा संबद्ध अंतर्संरचना जैसे उन्नत वैज्ञानिक अनुक्रमण उपकरणों के व्युत्पन्नो से परस्पर लाभों को सुनिश्चित करने हेतु ज ने उ वै अ के के में अगली पीढ़ी के अनुक्रमण सुविधा के प्रबंधन हेतु एक समझौता-ज्ञापन किया गया।

उच्च-लक्ष्य दूरसंचार साधनों में प्रयुक्त पदार्थों के परीक्षण हेतु उन्नत वैज्ञानिक उपसंधियों (प्रोटोकॉलों) के विकास हेतु बहु-राष्ट्रीय सहकार (सहकारिता) के साथ R&D समझौता।

त्वरित पदार्थों के आविष्कार हेतु बहुराष्ट्रीय पेट्रोकेमिकल कं के साथ अनुसंधान समझौता।

कृषि कीटों के प्रबंधन हेतु सुधरे अर्ध रासायनिकीय नियंत्रित विमोचन करनेवाली पर्यावरण-मैनुक प्रौद्योगिकी के लिये कृषि उत्पादों के अनुसंधान, विनिर्माण तथा निर्यात में कार्यरत, चैनई-स्थित एक कंपनी के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण-समझौता।

इसके अतिरिक्त, उपरोक्त कथित अवधि के दौरान, पेटेंट लाइन्सिंग, (एकास्वाधिकार अनुज्ञप्ति) तंत्रज्ञान हस्तांतरण, पदार्थ-हस्तांतरण तथा सहयोगात्मक R&D परियोजनाओं के लिये लगभग आधे डजन भारतीय एवं विदेशी औद्योगिक प्रतिनिधियों के साथ चर्चाएँ प्रारंभ की गई हैं।

इस अवधि के दौरान, ज ने उ वै अ के के ने सहयोगात्मक R&D कार्यक्रमों के लिये भारतीय तथा विदेशी R&D संस्थानों के साथ बहु समझौतों/समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये हैं।

## प्रदत्त पेटेंट

केंद्र ने 4 पेटेंट प्राप्त किये हैं (यूएसए-2, भारत-1 तथा ऑस्ट्रेलिया-1) भारतीय पेटेंट (सं 272637) 'अंतर्भूत प्रतिदीप्त कार्बन नानो-वृत्त तथा उनकी प्रक्रियाएँ' - के लिये जारी, जो प्रो तपस कुमार कुंडु, प्रो ईश्वरमूर्ति मुत्तुस्वामी तथा अन्यो का रहा है।

यूएस पेटेंट (सं 9376435B2) डॉ सुबी जेकब जॉर्ज तथा अन्यो के 'बाष्पशील (चलनशील) जैविक यौगिकों की संसूचना हेतु रंगधारी' - के लिये जारी।

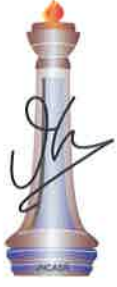
यूएस पेटेंट (सं 9439922) प्रो रंगा उदयकुमार के 'टैट DNA अनुक्रम, जीन-रचना, वैक्सिन तथा उनकी प्रक्रियाएँ' - के लिये जारी।

ऑस्ट्रेलिया के पे पेटेंट कार्यालय से - डॉ जयंतहल्दर तथा अन्यो के 'धणायनी प्रति जीवाणुवीय संयोजन' - के लिये पेटेंट प्रदान की अनुमति संबंधी सूचना प्राप्त हुई है।

## प्रस्तुत पेटेंट आवेदन

एक भारतीय अनंतिम पेटेंट-आवेदन प्रो जयंत हल्दर तथा अन्यो के अन्वेषण के लिये प्रस्तुत किया गया है। निम्नों के लिये PCT के अधीन तीन अंतर्राष्ट्रीय पे पेटेंट आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं -

- रंघ सतह पर लेविस आम्लीय 'बोरोन' स्थलों के साथ संदीप्ति सूक्ष्म रंघीय बहुलकों को संयोजित (संयुग्मित) करती है: अनुपात मितिक संवेदन तथा F- आयनों का अभिग्रहण - प्रो तपस कुमार माजी तथा अन्य।
- 'DNA शोध के रूप में यौगिक, उनकी पद्धतियाँ तथा अनुप्रयोग' - प्रो गोविंदराजु तिमम्य्या तथा अन्य।
- 'उद्दीपक-प्रतिबद्ध शोधों तथा पद्धतियों के रूप में यौगिक तथा उसके अनुप्रयोग' - प्रो गोविंदराजु तिमम्य्या तथा अन्य।
- प्रो जयंत हल्दर तथा अन्यो के लिये निम्न अन्वेषणों के लिये तीन राष्ट्रीय स्तर के पेटेंट आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं।



- 'वैकोमाइसिन-शुगर संयुग्म तथा उनके उपयोग'- यूरोप तथा दक्षिण कोरिया में।
- 'चिटिन व्युत्पन्न तथा उत्पाद हेतु उनकी पद्धतियाँ तथा उपयोग'- यूएसए।

## ICMS में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तथा समझौता- झापन

- मैक्स-प्लैक-गैसेलछेफ्ट जर फ़ोर्डरंग डेर विसेन-स्चाफ़मटेन के साथ सहयोग।
- पेरी तथा मेरी क्यूरी, सॉर्बोने, विश्वविद्यालय के साथ सहयोग।
- शिक्षा की राष्ट्रमंडल प्रणाली के टेंपल विश्वविद्यालय के साथ सहयोग।  
(टेंपल यूनिवर्सिटी ऑफ़ द कॉमनवेल्थ सिस्टम ऑफ़ एजुकेशन के साथ सहयोग)

## नई नियुक्तियाँ

### डी एस कोठारी अनुसंधान प्रोफ़ेसरशिप

प्रो एस बी कृपानिधि

### मानद प्रोफ़ेसर

प्रो संदीप त्रिवेदी (TIFR)

प्रो राजेश गोपुकुमार (ICTS)

प्रो अनुराग कुमार (IISc)

डॉ बलदेव राज (NIAS)

प्रो आर सुकुमार (IISc)

प्रो आर मुरुगवेल (IIT मुंबई)

### संकाय अधिसदस्य

डॉ दिवाकर एस वेंकटेशन (EMU)

डॉ प्रेमकुमार सेंगटुवान (NCU एवं ICMS)

### आगंतुक वैज्ञानिक

प्रो गैरी ब्रॉउन

डॉ तक़ीर अहमद

डॉ शिलादित्य सेंगुपा

डॉ हेनु शर्मा

डॉ रिचर्ड चार्ल्स रेमिंग III

डॉ Kh. थियानमिललिन वेर्ही

डॉ इशाद अहमद

डॉ सतीश कुमार

### आगंतुक विद्यार्थी

श्री सलीम बेल हज सलाह

सुश्री मंजोद कौर

सुश्री सिमरन कुमारी

श्री असीम राजन

### कार्यशाला के प्रभारी-अधिसदस्य

प्रो के एस नारायण

## पुरस्कार एवं सम्मान

### प्रो सी एन आर राव

गीतम संस्थापन (प्रतिष्ठान)

पूज्य स्वामी सारंगमठ, सिंदगी-विजयपुर द्वारा

भास्कराचार्य पुरस्कार

### प्रो वी नागाराज

दि 26 सितंबर 2016 को CSIR संस्थापन दिवस के दौरान वर्ष 2016 के लिये जैविकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता के लिये जी एन रामचंद्रन स्वर्ण पदक।



### प्रो के एस नारायण

AVRA लैब प्रा लि, हैदराबाद द्वारा सहायित सी एन आर शिक्षा संस्थापन द्वारा ऊर्जा पदार्थ तथा साधन पर अनुसंधान के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार।

### प्रो एस एम शिवप्रसाद

विजयनगर श्री कृष्णदेवराय विश्व विद्यालय, बल्लारी, कर्नाटक द्वारा मानद डॉक्टरेट (DSc.) प्रदत्त

### प्रो अमिताभ जोशी

वर्ष 2017 के लिये पशु विज्ञान भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली की खंडीय समिति के संयोजन के रूप में चयनित।

### डॉ टी गोविंदराजु

AVRA युवा विज्ञानी पुरस्कार (2015), अब्रा लैब।

भारतीय रासायनिक अनुसंधान सोसाइटी के CRSI कांस्य पदक (2016)

### डॉ सरित अगस्ती

द वेलकम ट्रस्ट/DBT भारतीय गठबंधन अंतस्थ अधिसदस्यता।

DBT द्वारा नवोन्मेषी युवा जैव प्रौद्योगिकिद पुरस्कार (IYBA)

### डॉ सेबास्टियन सी पीटर

भौतिक विज्ञान में भौतिकी संस्थान द्वारा आविर्भावी (उदयोन्मुख) अन्वेषक के रूप में चयनित।

### डॉ कनिष्क बिस्वास

ऊर्जा संचयन (हार्वैस्टिंग) के लिये नई उष्ण विद्युतिकी के शोध एवं विकास हेतु वर्ष 2016 के लिये भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (INSA) का युवा विज्ञानी पदक।

अल्काइल अमाइनीस तथा केमिकल्स लि तथा ICT युवा विज्ञानी पुरस्कार (2016)।

IUMRS-MRS सिंगपुर युवा अनुसंधान मेरिट (गुणांकन) पुरस्कार के लिये चयनित जिसे पदार्थ अनुसंधान सोसाइटी के अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUMRS) तथा पदार्थ अनुसंधान सोसाइटी सिंगपुर (MRS) द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित।

### ज ने उ वै अ कें ने मैसूर बागबानी सोसाइटी द्वारा अत्युत्तम अनुरक्षित उद्यान पुरस्कार

### अत्युत्तम योग्य स्टाफ़ सदस्य पुरस्कार

श्रीमती सुधा जे. वरिष्ठ आशुलिपिक श्रेणी-1 को वर्ष 2016 के लिये अत्युत्तम योग्य स्टाफ़ सदस्य पुरस्कार प्रदान किया गया।



# व्याख्यान एवं बैठकें

## व्याख्यान एवं बैठकें

### चर्चा बैठकें

- भा वि सं में 13-15 जून 2016 के दौरान - संघनित पदार्थ प्रणालियों में तत्कालीन समस्याएँ (प्रश्न) - पर तीन दिवसीय चर्चागोष्ठी, प्रो वी वेंकटरामन द्वारा आयोजित।
- आविर्भावी पदार्थों पर सम्मेलन (CEMAT) 2016, प्रो अरुण एम उमर्जी, भा वि सं द्वारा आयोजित, 18-19 जुलाई 2016।
- पदार्थों के प्रति आधुनिक अभिगम - पर कार्यशाला, क्राइस्ट विश्व विद्यालय, बेंगलूरु, 29-30 अगस्त 2016।
- 11 वीं एशियाई प्रश्नजननीयता बैठक - प्रो तपस कुनार कुंडु, ज ने उ वै अ कै, 30 सितंबर-01 अक्टूबर 2016।
- 6 वें वार्षिक पदार्थ व्याख्यान- प्रो सर रिचर्ड फ्रेड, केवेंडिस प्रयोगालय, भौतिकी विभाग, कैंब्रिज विश्व विद्यालय, 14 जून 2016।
- रासायनिक सीमांत 2016 - प्रो आर मुरुगवेल द्वारा आयोजित, 25-28 अगस्त, 2016।
- 9 वें अंतर्राष्ट्रीय पदार्थ व्याख्यान - प्रो क्लेमेंट सेन्वेज, कॉलेज डी फ्रान्स, 29 सितंबर 2016।
- पदार्थों की रासायनिकी - पर 12 वें ज ने के अनुसंधान सम्मेलन - डॉ सुबी जे जॉर्ज, ज ने उ वै अ कै, 23-25 सितंबर 2016, त्रिवेंद्रम।
- समूह अनुसंधान सम्मेलन - प्रो रोहम नरसिंह, EMU, द्वारा आयोजित, 30 जून 2016।
- केंद्रीय उपकरण सुविधा (कौशल) बैठक - प्रो कौस्तुव सन्याल, MBGU द्वारा आयोजित, 25 अगस्त 2016।

### धर्मदाय व्याख्यान

**ए वी रामराव संस्थापन तथा रासायनिकी में पुरस्कृत व्याख्यान:** मिश्रित (संहत) संयोजक अवस्थाओं पर अंतरा-आण्विक विद्युन्मानीय युग्मन।

वास्तविकता या काल्पनिकता - प्रो जी के लाहिरी, रासायनिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई, पोवै, मुंबई।

पुरस्कृत व्याख्यान: प्राकृतिक उत्पाद संश्लेषण: सक्षम पद्धतियाँ तथा नवोन्मेषी कौशल - डॉ सी वी रामन, जैविक रासायनिकी प्रभाग CSIR, राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगालय पुणे, 04 मई 2016।

### ICMS का 6 वें वार्षिक पदार्थ

#### व्याख्यान

फोटोवोल्टानिकी/प्रकाश में विकिरक तथा अ-विकिरक प्रक्रियाएँ - प्रो सर रिचर्ड फ्रेड, FRS, केवेंडिस प्रयोगालय, कैंब्रिज, 14 जून, 2016।

### प्रो सी एन आर राव वक्तृता पुरस्कार

#### व्याख्यान (इस श्रेणी का 17 वाँ)

हिमालयी वृत्तांश पर्यंत भूकंप का निर्माण: ज्ञात व अज्ञात - प्रो सी पी राजेंद्रन, भूगतिकी एकक, 16 अगस्त, 2016।



### भौतिकी में DAE-राजारामण्णा

#### व्याख्यान

(डाउन-टु-अर्थ) वास्तविक तार सिद्धांत, प्रो राजेश गोपकुमार, निदेशक, ICTS (TIFR), बेंगलूरु: पुरस्कार व्याख्यान : स्फटिकीय प्रणालियों में विभिन्न दैर्घ्य-मानों पर चक्रण-चक्रण सहसंयोजकताएँ, डॉ एस एम यूसुफ़, प्रधान-चुंबक अनुभाग, तथा वैज्ञानिक कार्यालय, घन अवस्था भौतिकी प्रभाग, BARC, मुंबई, 28 सितंबर 2016।

### ICMS का अंतर्राष्ट्रीय पदार्थ व्याख्यान

समेकित पदार्थ रासायनिकी: नानो-संरचनाओं से श्रेणीबद्ध संरचनाओं तक - प्रो क्लेमेंट सेन्वेज, अध्यक्ष, संकर पदार्थों की रासायनिकी, (लेबोरेटोरी डी केमी दी ला मटेर कंडेन्स डी पैरिस) संघनित पदार्थ के रासायनिकी प्रयोगालय, पैरिस, यूनिवर्सिटी पेरी एट मेरी क्यूरी कॉलेज डी फ्रान्स (पेरी विश्वविद्यालय मेरी क्यूरी कॉलेज फ्रान्स), पैरिस, 29 सितंबर, 2016।

### विशेष व्याख्यान

R&D संस्थानों से विज्ञान-नवोद्यम (स्टार्टप), श्री कौशिक गाला, भारतीय विज्ञान उद्यम निधि, वी.सी. समुदाय, 8 अगस्त, 2016।

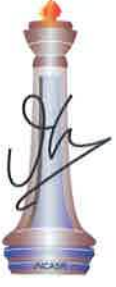
### चर्चागोष्ठी/कार्यशालाएँ/स्कूल

- 1 प्रवाह कोशिकामिति कार्यशाला: MBGU में प्रवाह कोशिका, प्रवाह कोशिकामिति समाधान प्रा.लि. के साथ एक तीन दिवसीय कार्यशाला का संचालन-प्रयोगात्मक अभिकल्पी डाटा विश्लेषण-विषय पर दि 12-14 जुलाई 2016 से किया गया।
- 2 प्रकाशीय सूक्ष्मदर्शी तथा वर्णक्रमदर्शी - विषय पर एक स्कूल का आयोजन SSCU सभागृह, भा वि सं में 18-22 जुलाई 2016 को किया गया।
- 3 जैव प्रौद्योगिकी ज्वलन अनुदान (BIG) कार्यशाला 20 जुलाई 2016।
- 4 TSU आंतरिक चर्चागोष्ठी, 03 अगस्त 2016।

### संगोष्ठियाँ

#### CPMU संगोष्ठियाँ

- 1 चुंबक-विद्युतीय  $Eu_{1-x}(Ba, La)_xTiO_3$  में बहु बृहत परिघटना - प्रो रामनाथन महेंदिरन, भौतिकी विभाग, सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, 14 जून 2016।
- 2 नवल विषमजननीयता उत्प्रेरकों के लिये संघटक के रूप में सह-संयोजक जैविक ढाँचे - विषय पुराना, पर नये रूप में प्रस्तुत (पुरानी शराब नयी बोतल में) - प्रो रामनाथन वैद्यनाथन, रासायनिकी विभाग, भारतीय विज्ञान शिक्षा अनुसंधान संस्थान, पुणे, 8 जुलाई, 2016।



# व्याख्यान एवं बैठके

- केल्विन शोध: अविनाशकारी सतह तथा अंतरापृष्ठ के अध्ययन हेतु एक (बलवान) समर्थ (तंत्र) तकनीक - प्रो ए सुब्रमण्यम, भौतिकी विभाग, भा प्रौ सं मद्रास, चेन्नई, 17 अगस्त 2016।
- विज्ञान में नोबल पुरस्कार (2016) : एक मूल्यांकन - डॉ एस टी लक्ष्मीकुमार, राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगालय, (NPL), नही दिल्ली, 10 नवंबर 2016।

## EMU संगोष्ठियाँ

- अ-सन्निविष्ट (असंयुज्य) रेशेदार साँचों की यांत्रिकी तथा कोशिकाओं के साथ उनकी अंतर्क्रियाएँ - प्रो सोवन दास, भा प्रौ सं, कानपुर, 16 सितंबर 2016।
- संक्षेप के तीन घटकों के कर्षण हेतु 3D प्रकाश-श्यान मॉडेल/नमूने का उपयोग - डॉ घोरजकुमार सिंह, स्नातक विश्वविद्यालय, ओकिनावा, जपान, 28 सितंबर 2016।
- परतीय F बहायों में मरंगोनी अस्थिरताएँ तथा पद्धति-चयन - श्री जेसन आर पिकाडो, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, भा प्रौ सं मद्रास, चेन्नई, 5 अक्टूबर 2016।

## ICMS संगोष्ठियाँ

- प्रकाश-विद्युन्मानिकी तथा ऊर्जा अन्वयनों के लिये अर्ध-चालक नानो-तार - प्रो चेन्पति जगदीश, भौतिकी एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान स्कूल, ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, 26 अक्टूबर 2016।

## MBGU संगोष्ठियाँ

- संकुलों (समूहों) का ज्ञान: कोशिकीय कार्यों के लिये संयोजक सामूहिक प्रोटीन अंतर्क्रियाएँ - डॉ सिवराज शिवरामकृष्णन, प्रोटीन कलाबाजी (निपुणता) प्रयोगालय, मिन्नेसोटा विश्वविद्यालय, ट्विन-सिटिज (युगलनगर), 04 जुलाई, 2016।
- पृच्छों (ऊतक) के परे की कहानी: ऊतक H3 पृच्छ तथा गोलाकार प्रक्षेत्र असिटाइलेशन चिह्न के उपयोग द्वारा वर्धक अभिज्ञान (परिचय) - डॉ प्रदीप मादापुर, प्राध्यापक (प्रयोगालय प्रधान),

जैविकीय विज्ञान स्कूल, एसेक्स विश्वविद्यालय, यूके, 24 अगस्त 2016।

- चिकनगुन्या प्रभावित रोग को समझ लेना तथा वैक्सिनों तथा चिकित्साओं के प्रति (अभिगम) पहुँच - डॉ सुरेश महालिंगम, ग्लाइकोमिक्स संस्थान, ग्रिफ़िट विश्वविद्यालय, 26 अगस्त 2016।
- क्यों HIV-1 क्लेड C, वैश्विक एड्स महामारी में कम क्षमता है फिर भी अत्यंत सफल है? - प्रो विनायक प्रसाद, सूक्ष्म जैविकी एवं रोग निरोधकता विभाग, अलबर्ट आइन्स्टन मेडिसिन कॉलेज, यूएसए, 26 सितंबर 2016।
- HIV-1 पोषक विषाणु अंतर्क्रियाएँ तथा निरंतरता-नवल एकल कोशिका मूल्यांकन, जिससे अव्यक्त HIV-1 आधानों (पात्रों) का अनुश्रवण किया जा सके - प्रो गंजाम वी कल्पना, सूक्ष्म जैविकी एवं रोग निरोधकता विभाग, अलबर्ट आइन्स्टन मेडिसिन कॉलेज, यूएसए, 27 सितंबर 2016।
- एरिस्कैन के साथ LSM: क्रायो-एरिस्कैन के साथ वर्तमान तथा भविष्य - डॉ विमल गंगाधरन, अनुप्रयोग वैज्ञानिक, जीस सूक्ष्मदर्शी प्रयोगालय न्यूयार्क (ZMLNY), कार्ल जीस सूक्ष्मदर्शी, न्यूयार्क, यू एस ए, 30 सितंबर 2016।
- हृत्-कार्य तथा रोग के तंत्र को प्रबोधित करने हेतु नये अभिगामों के साथ हृत्-आयॉन वाहिनियों का निर्माण - डॉ प्रकाश सुब्रमण्यन, सहयोगी अनुसंधान वैज्ञानिक, कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयार्क, 06 अक्टूबर 2016।
- पेप्टाइडों (पाचकों) का संयोजन एवं संरूपण: अग्र-पश्च (आगे-पीछे) द्रव्यमान वर्णक्रम मिति में प्रारंभ से/नवीन रूप से अनुक्रमण की अर्थव्याप्ति - डॉ राजा बैनर्जी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जैव सूचिकी विभाग, मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद विश्वविद्यालय (WBUT) पश्चिम बंगाल, 04 नवंबर 2016।
- मानव TRIMS (ट्रिम्स), चिह्नयुक्त (टिक-बॉर्न) पीत विषाणु (फ्लेविवाइरस) के लिये एक संभाव्य प्रतिबंध हो सकते हैं - अभिलाष चिरामेल, विषाणु विज्ञान विभाग, NIAID

(राष्ट्रीय प्रत्यूजा तथा संदूषण रोग संस्थान), यू एस ए, 07 नवंबर 2016।

## NSU संगोष्ठियाँ

- Rhesactome (रेसाक्टोम) - मूषिकाओं में चलन व्यवहार के लिये आण्विक विभंग के रूप में प्रोटीन जालकार्य - डॉ श्रीनिवास सुब्रमण्यम, तंत्रिका विज्ञान विभाग, स्क्रिप्स अनुसंधान संस्थान, प्लोरिडा, 25 जुलाई 2016।
- प्रौढ़ तंत्रिका जननियता: मनोदशा के नियंत्रण हेतु नव तंत्रिकाओं के संरूपण को लक्ष्य बनाना - विदिता वैद्य, जैविकीय विज्ञान विभाग, टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, मुंबई, 23, अगस्त 2016।

## TSU संगोष्ठियाँ

- एंजिमेटिक (किण्वककारी) प्रतिक्रिया पर स्थूल आण्विक समूहन के प्रभाव: प्रयोगमूलक परिणाम एवं सैद्धांतिक नमूने - प्रो आर स्वामीनाथन, जैव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भा प्रौ सं, गुवाहटी, गुवाहटी, 27 मई 2016।
- I±VI<sup>3</sup> इंटेग्रिन के आवृत्त अवस्था किस प्रकार उत्परिवर्तनों को अस्थिर बना देते हैं? बहुमापी आण्विक गतिकी अध्ययन - डॉ अनिर्बन पोल्ली, चिकागो विश्वविद्यालय, इल्लिनोस, यू एस ए, 02 अगस्त 2016।
- विद्युन्मानीय ऊर्जा स्थानांतरण के लिये स्थानीकृत प्रचालक विभाजक पद्धति - डॉ जयश्री नागेश, रासायनिक भौतिकी सिद्धांत समूह, टोरंटो विश्वविद्यालय, 24 अगस्त 2016।

## अन्य कार्यक्रम

### हिंदी कार्यशाला

हिंदी में मौखिक संप्रेषण - पर हिंदी कार्यशाला, श्री श्रीनिवास राव, BEL, बेंगलूरु, 20 जून 2016।

### हिंदी सप्ताह

केंद्र ने हिंदी सप्ताह के अधीन 14-21 सितंबर 2016 के दौरान सप्ताह-भर के कार्यक्रमों का आयोजन किया। इनमें सम्मिलित हैं - ज ने के तथा एनए एल के



# विगत एवं आगामी कार्यक्रम घटनाएं

वैज्ञानिकों के व्याख्यान; प्रमुखतः उद्घाटन भाषण - अतीत की एक महान नदी सरस्वती और हड़प्पा सभ्यता - पर प्रो के एस वाल्दिया द्वारा तथा कार्यालयीन पत्राचार हेतु हिंदी सीखने के महत्व पर कार्यशाला। वाक् संकेतन (कूटन) विज्ञान - विषय पर हिंदी में भाषण - श्री संजीव गुप्ता, DRDO बेंगलूर, दि 16 सितंबर 2016 को आयोजित था। कर्मचारी गण तथा विद्यार्थियों ने सभी कार्यक्रमों में उत्साह के साथ भाग लिया तथा पुरस्कार प्राप्त किया।

## अंतर्राष्ट्रीय योग-दिवस



दि 21 जून 2016 को केंद्र पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय योग-दिवस मनाया गया। प्रो के एस नारायण, संकायाध्यक्ष (डीन) R&D ने ज ने उ वै अ कें के समूह द्वारा प्रदर्शित योग-भित्तिचित्रों का उद्घाटन किया। डॉ सुप्रीता के एम, विशेषज्ञ चिकित्सक, आहार विज्ञ तथा पोषण - विज्ञ द्वारा - स्वस्थ खाने के अभ्यास - विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया, उसके उपरांत, कणाद कक्ष, जक्कूर परिसर में श्रीमती श्वेता (योग-प्रशिक्षक) के नेतृत्व में ज ने कें के समूह द्वारा योग प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान, ज ने उ वै अ कें के योग-पटुओं (प्रदर्शकर्ताओं) को ग्रैंड मास्टर, योग भूषण, श्रीमती राजश्री प्रसाद, स्वामी विवेकानंद सेवा केंद्र, बेंगलूर द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किये गये।

## राष्ट्रीय एकता दिवस



केंद्र ने दिनांक 31 अक्टूबर 2016 को सोमवार के दिन राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने के लिये एकता हेतु दौड़ट - के शीर्षक के अधीन, मैराथॉन का आयोजन किया, यह दौड़ जक्कूर परिसर के सुरक्षा-मुख्य द्वार से प्रारंभ किया गया-जिसमें केंद्र के संकायों, विद्यार्थियों तथा स्टाफ़ ने भाग लिया। दि 02 नवंबर 2016 को ज ने उ वै अ कें के सदस्यों के सम्मुख शपथ प्रो वी नागराज द्वारा कराया गया।

## सतर्कता जागरूकता सप्ताह



दि 31 अक्टूबर से 05 नवंबर 2016 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में दि 02 नवंबर 2016 को केंद्र के सभी संकायों, विद्यार्थियों तथा कर्मचारी-गण द्वारा - सतर्कता प्रतिज्ञा - ली गई तथा न्यायमूर्ति संतोष हेगडे, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति एवं कर्नाटक के पूर्व लोकायुक्त द्वारा प्रतिज्ञा दिलाई गई। जक्कूर परिसर के कणाद कक्ष में दि 03 नवंबर 2016 को श्री शिवकुमार, मुख्य सतर्कता अधिकार, BEL, बेंगलूर द्वारा - सत्यानिष्ठा उन्नयन तथा भ्रष्टाचार-निवारण में सार्वजनिकों की प्रतिभागिता - विषय पर एक व्याख्यान दिया गया।

## कन्नड राज्योत्सव



दि 02 नवंबर 2016 को केंद्र पर कन्नड राज्योत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अध्यक्ष, ज ने उ वै अ कें, प्रो वी नागराज द्वारा किया गया तथा प्रो सी एन आर राव, भारत-रत्न, मुख्य अतिथि रहे।

## कर्मचारी-गण अभिमुखीकरण कार्यक्रम

कर्मचारी-गण विकास कार्यक्रम के अधीन प्रशासनिक कर्मचारी-गण के लिये दो कर्मचारी -अभिमुखीकरण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रथम कार्यक्रम दि 26 जुलाई 2016 को डॉ पी चिरंजीवी, ज ने उ वै अ कें, द्वारा - कार्य के प्रति स्व-प्रेरणा के महत्व पर - था तथा अन्य कार्यक्रम दि 14 अक्टूबर 2016 को श्री श्रीनिवास कृष्ण द्वारा - संप्रेषण-कौशल एवं अंग्रेजी भाषा - पर था।

## AEBS कार्यक्रम

दि 28 जुलाई 2016 को केंद्र पर, 'आधार' समर्थित जीव सांख्यिकी प्रणाली (AEBS) के प्रति कर्मचारी-गण को परिचित करने के बारे में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

## वार्षिक संकाय बैठक

दि 21-22 नवंबर 2016 को वार्षिक संकाय बैठक एवं आंतरिक चर्चा-गोष्ठी निर्धारित की गई है। दि 21 नवंबर 2016 को केंद्र तथा भा वि सं के प्रतिभा संपन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान निर्धारित किये गये हैं तथा उसके उपरांत आंतरिक चर्चा-गोष्ठी होगी।